• वर्ष : 2 • अंङ्क : 8 • नवम्बर 2015-जनवरी 2016 • ISSN : 2347-6605

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

(अन्तर्राष्ट्रीय त्रैमासिक शोध पत्रिका)

संरक्षक :

प्रो. दलवीर सिंह चौहान

पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया

आगामी अंक
20 मई, 2016

रूपेश कुमार चौहान

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक

द्वारा 47, ब्लॉक ए-3, गली नं. 5, धर्मपुरा एक्सटेंशन, दिल्ली-43 से प्रकाशित एवं डॉल्फिन प्रिंटोग्राफिक्स, 4ई/7, पाबला बिल्डिंग, झंडेवालान् एक्सटेंशन, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।

दूरभाष संख्या-09555222747, 09540468787, 0991158532, 09266319639

Email: vaaksudha@gmail.com • Website : www.vaaksudha.com

प्रकाशनार्थ सूचना

* लेखक से अनुरोध है कि शोध-पत्र वॉकमैन चाणक्य 905 या क्रुतिदेव फॉन्ट में वर्ड या पेजमेकर में टाइप (टङ्कण) कराकर शोध-पत्रिका के ई-मेल पर प्रेषित करें।
* शोध-लेख न्यूनतम 1500 शब्द एवं अधिकतम 5000 शब्द तक मान्य है तथा इसके साथ लेखक का पद-नाम के साथ स्वयं की फोटो (छवि-चित्र) अत्यन्त अनिवार्य है।
* प्रकाशनार्थ प्राप्त लेख सलाहकार परिषद् एवम् संपादक मण्डल की अनुमति के पश्चात् स्तरीय होने पर ही प्रकाशित होगा।
* लेख में यदि चित्र का प्रयोग हुआ है तो उसे भी अवश्य प्रेषित करें।
* **'वाक् सुधा'** किसी भी तरह के परामर्श का स्वागत करती है, इसलिए अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।
* यह स्पष्ट किया जाता है कि शोध पत्र में प्रस्तुत तथ्य शोध लेखक के अपने विचार हैं तथा इसमें सलाहकार परिषद् एवं सम्पादक मण्डल के विचारों की उद्भावना स्पष्टत: नहीं है। अत: इसके लिए शोध-लेखक स्वयं उत्तरदायी है।
* शोध-पत्रिका की किसी भी सामग्री को प्रकाशक एवं मुद्रक की जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशन अनुचित होगा।
* **आगामी अङ्क में प्रकाशनार्थ लेख 5 मई, 2016 तक अवश्य प्रेषित कीजिए। यदि आप लेख टाइप करा कर भेजने में असमर्थ हैं तो हस्तलिखित प्रति पत्रिका में दिये गये पत्र-व्यवहार के पते पर भेज दें।**
* वर्ष के अंतिम अङ्क के प्रकाशन से पूर्व प्रथम अङ्क पत्रिका की वेबसाइट पर अध्ययन हेतु उपलब्ध हो जाएगा।
* अपेक्षित आर्थिक सहयोग अथवा अंशदान के लिए हम आपके अत्यंत आभारी रहेंगे।
* **कृपया लेख के साथ अपनी पासपोर्ट साइज की फोटो अवश्य भेजें।**

© सर्वाधिकार सुरक्षित

ISSN : 2347-6605

सामान्य शुल्क		सदस्यता शुल्क	
वैयक्तिक शुल्क (एक प्रति)	– ₹200	संस्थागत सदस्यता शुल्क (वार्षिक)	– ₹1500
संस्थागत शुल्क (एक प्रति)	– ₹400	पञ्च वार्षिक शुल्क	– ₹6000
वैयक्तिक वार्षिक शुल्क	– ₹800	आजीवन सदस्यता शुल्क	– ₹15000
सदस्यता शुल्क व्यक्तिगत (वार्षिक)	– ₹1200		

पत्र-व्यवहार का पता :
मकान नं.-41, सूरज नगर (दुर्गा मंदिर के सामने),
आजादपुर, दिल्ली-110033

सलाहकार परिषद् :

- **प्रो. अरविन्द कुमार पाण्डेय**
(पूर्व कुलपति, कामेश्वर सिंह, संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा)
- **महामहोपाध्याय प्रो. वेद प्रकाश शास्त्री**
(पूर्व उप-कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार)
- **प्रो. शंकर दयाल द्विवेदी**
(संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय)
- **प्रो. राम सरेख सिंह**
(पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. पवन अग्रवाल**
(हिन्दी एवं आधुनिक भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. मोहम्मद मंसूर आलम**
(अध्यक्ष, उर्दू विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया)
- **प्रो. आभा त्रिवेदी**
(पाश्चात्य इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. राम भरत सिंह**
(पूर्व विभागाध्यक्ष, राजनीति शास्त्र, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **डॉ. विक्रमादित्य राय**
(अध्यक्ष, समाज-शास्त्र विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, (बी.एच.यू.) वाराणसी
- **डॉ. इन्द्र नारायण सिंह**
(बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय)
- **प्रो. राजेश रंजन**
(पालि विभाग, नालन्दा नव-महाविहार)
- **डॉ. पतञ्जलि कुमार भाटिया**
(संस्कृत विभाग, पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
- **प्रो. सत्यदेव पोद्दार**
(इतिहास विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. काशीनाथ जेना**
(राजनीति-शास्त्र विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)

सम्पादक मंडल :

- **डॉ. शाहिद तस्लीम**
(उज्बेक भाषा विशेषज्ञ, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. कृष्ण लाल**
(हिन्दी विभाग, अरविन्दो कॉलेज (प्रातः), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. रसाल सिंह**
(हिन्दी विभाग, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. शंकर नाथ तिवारी**
(संस्कृत विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **डॉ. चंद्रशेखर पासवान**
(बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)

सम्पादक :
डॉ. रूपेश कुमार चौहान
मो. 9555222747, 9540468787

उप-सम्पादक :
डॉ. राम किशोर यादव
मो. 9871600448

प्रबंध सम्पादक :
डॉ. राजेश कुमार
मो. 8527907638, 9891526584

विधिक सलाहकार :
आनन्द विकास मिश्रा

तकनीकी सलाहकार :
स्मित मनहर, विवेक कुमार आदित्य
(बी.टेक.)

मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर प्रसाद चौबे
मो. 9810636082

ग्राफिक डिजाइनर :
जे.डी. कंप्यूटर्स, मो. 9818455819

- सभी पद अवैतनिक एवं परिवर्तनीय हैं।
- **'वाक् सुधा'** से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।
- सारे भुगतान मनीआर्डर : चेक/ बैंक ड्राफ्ट **'वाक् सुधा'** के नाम से किए जाएं। कृपया दिल्ली से बाहर के चेक में बैंक कमीशन के 35.00 रुपये अतिरिक्त जोड़ें।

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय 6

श्रीकरभाष्य में प्रतिपादित अद्वैतमत की समीक्षा 7
कुलदीप सिंह

ताल के दस प्राण 10
डॉ. पूजा शर्मा

स्वातंत्र्योत्तर उपन्यासों में संरचनात्मक वैविध्य 13
गोपेश्वर दत्त पाण्डेय

वैदिक वाङ्मय में राष्ट्रीय उन्नति के आयाम एवं वर्तमान में प्रभाव 16
डॉ. धर्मपाल यादव

भारतीय दर्शन में जाति (एक सिंहावलोकन) 20
डॉ. सरोज गुप्ता

प्रवासी जीवन को अभिव्यक्त करता उपन्यास (सुषम बेदी कृत 'लौटना' के विशेष संदर्भ में) 23
समर विजय

ताल 28
डा. कपिल कुमार

पुराण काल में नारी (देवी भागवत पुराण के संदर्भ में) 31
डॉ. सरोज गुप्ता

'तमस' के संदर्भ में धर्म की राजनीति 34
नवनीत कुमार राय

अशोक की धम्म नीति के निहितार्थ 37
अभिमन्यु कुमार

नागार्जुन की काव्य-कला 39
रमा शंकर सिंह

हिन्दू मुस्लिम एकता में मलिक मुहम्मद जायसी का योगदान 45
विभा सिंह पटेल

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और राष्ट्रकवि 'दिनकर' 47
राजीव कुमार

गाय, साम्प्रदायिकता और गाँधी 49
लाजपत राय

चोलकालीन स्थानीय स्वायत व्यवस्था 51
अभिमन्यु कुमार

वैदिक विज्ञान-आधुनिक सन्दर्भ में 53
प्रभात कुमार

रामविलास शर्मा की नज़र में प्रेमचन्द 56
शैलेन्द्र प्रताप

देववाण्यामलकनन्दाकालिन्द्योर्माहात्म्यम् 60
डॉ. शिवशङ्कर मिश्र

शाब्दबोध 66
प्रियंका शर्मा

पॉलो फ्रेरा का जीवन एवं शिक्षा संबंधी विचार .. 69
राधिका मिश्रा

समकालीन रचनाशीलता की परख (विशेष संदर्भ : 'फिलहाल') 72
सुनील कुमार मिश्र

पराभक्तिः 76
आचार्य पद्मराज (पद्मनाभ) जोशी 'पथिक'

सल्तनत काल में शिक्षा व्यवस्था 80
राम कुमार

परमलघुमञ्जूषा में वर्णित धात्वर्थनिर्णय सम्बन्धी मीमांसक मत 84
प्रियंका शर्मा

कामकाजी महिला का द्वन्द्व 88
अनिता कादयान

स्कूली शिक्षा व्यवस्था के दोष बारबियाना (इटली) स्कूल के छात्रों द्वारा लिखे गये अध्यापक के नाम पत्र 91
राधिका मिश्रा

पत्रकारिता और महामना मालवीय 93
अमित कुमार पाण्डेय

ISSN : 2347-6605

दशभूमिक सूत्र में वर्णित दश भूमियों और दश पारमिताओं के बीच सम्बन्धों की समीक्षा..... 95
उपेन्द्र कुमार
बिदेसिया : भिखारी ठाकुर 99
रणजीत कुमार
हिंदी फिल्मों में स्त्री..... 104
डॉ. अर्चना उपाध्याय
गाँधी दर्शन : मानव कल्याण का आधार..... 107
डॉ. पुष्पांजलि
ग्रामीण विकास एवं लोकतांत्रिक सहभागिता : पंचायत प्रणाली के परिप्रेक्ष्य में 111
डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंह
भारत अमेरिका संबंधों में आर्थिक कारक..... 116
डॉ. अखिलेश कुमार तिवारी
संसद की महता : एक अवलोकन..... 119
पूनम
राजस्थान के प्रजामण्डल आन्दोलन का रचनात्मक प्रभाव : स्त्री शिक्षा का विकास..... 122
डॉ. अर्चना द्विवेदी
भारतेन्दुयुगीन निबंधकारों की विचारधारा..... 128
मनीष कनौजिया
जलवायु परिवर्तन : समस्या एवं समाधान भारतीय पर्यावरणीय-चिन्तन के प्ररिप्रेक्ष्य में..... 130
जगनारायण मिश्र
यथार्थ का जीवंत दस्तावेज : अलग-अलग वैतरणी..... 133
यदुनन्दन प्रसाद उपाध्याय
भास-कालीन सामाजिक संस्थाएँ 136
दिनेश कुमार
साङ्ख्यदर्शनानुसारं दृष्टप्रमाणविषयकं चिन्तनम्..... 139
हरीश चन्द्र कुकरेती
काशीनाथ सिंह के कहानियों में जाति : एक समाज भाषावैज्ञानिक अध्ययन 143
बीरेन्द्र सिंह
जगदीश चंद्र : मजदूर जीवन के यथार्थवादी उपन्यासकार 147
मौह. रहीश अली खां
परंपरा और आधुनिकता के द्वंद्व को दर्शाती नयी कहानी 151
शिवानी सक्सेना
नीरज : काव्य-सीमाएँ..... 155
कुसुम सिंह
माघकाव्ये वर्णित राजसंस्कृतौ वर्णाश्रमव्यवस्था... 161
श्रुतिः शर्मा
अरुण कमल के काव्य में उत्तर-आधुनिक भावबोध की अभिव्यक्ति का स्वरूप..... 164
नेहा मिश्रा
केन्द्र और राज्य सम्बन्ध के बीच अनुच्छेद 356 168
साधिका कुमारी
समकालीन हिन्दी नाटक : एक सिंहावलोकन (1947-2000 ई.) 171
राम प्रकाश शर्मा
प्राचीन पंचाल जनपद के प्रमुख नगर 173
डॉ. प्रणव देव
ब्रजभाषा का लोक साहित्य 179
डा. शीतल
कालजयी में गांधीवादी विश्वास 183
डॉ. राम किशोर यादव
मानवीय चेतना के सूत्रधार : संत कबीर..... 186
कमलेश रानी
नवउदारवाद की नीतियां और भारतीय अर्थव्यवस्था एक आलोचनात्मक विश्लेशण..... 189
किरण गुप्ता
अज्ञेय : व्यक्तित्व की पहचान 192
डॉ. शंकर कुमार
दलितों का राजनीतिक समाजीकरण : सारण जिला का एक अध्ययन 196
कुमारी सीमा
हरिशंकर परसाई के व्यंग्य साहित्य में अभिव्यक्त धार्मिक यथार्थ..... 202
धर्मा रावत
सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के काव्य में बिंब-विधान . 206
डॉ. प्रमोद कुमार द्विवेदी
मिथिलेश्वर के उपन्यासों में अभिव्यक्त राजनीतिक यथार्थ..... 210
डॉ. मनीष कुमार चौधरी

सम्पादकीय

वाक् सुधा सबकी पत्रिका है, जो बिना किसी पूर्वाग्रह के सभी पक्ष, पंथ, संप्रदाय, संस्था व विचारधाराओं पर लिखे गए रचनात्मक शोध को एक साथ प्रस्तुत करती है।

अपनी अद्भुत सामग्री के कारण पाठकों से जुड़ रही है। भाषा, शैली, कलेवर और चरित्र की दृष्टि से हिन्दी भाषा की शोध पत्रिका है। इसके साथ सामग्री की दृष्टि से इसका सरोकार मानवीय है। यह ज्ञान का अद्वितीय संगम है। हिन्दी में इस समय उत्कृष्ट एवं बहुत ही गंभीर शोधकर्ता हैं। परन्तु उनको एक अच्छा मंच नहीं मिल पाता है। वाक् सुधा एक ऐसा मंच है जहाँ प्रबुद्ध शोधार्थी अपने शोध को साधारण नागरिक के लिए उपयोगी बना सकते हैं। इसके साथ ही आम नागरिकों की चुनौतियों को समझकर ऐतिहासिक संदर्भों का उल्लेख करते हुए समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं।

पिछले एक साल में यह पत्रिका शोध के क्षेत्र में मुख्यधारा की शीर्षस्थ पत्रिकाओं में अपना स्थान बना चुकी है। देश के ख्याति प्राप्त प्रतिष्ठित विद्वानों की बनायी गयी 'सलाहकार परिषद्' और 'संपादक मंडल' के नेतृत्व में शोध आलेखों का प्रकाशनार्थ चयन किया जाता है। शोध आलेख का मूल्यांकन संदर्भ, सार्थकता और सरोकार के आधार पर किया जाता है। पत्रिका के संरक्षक, संपादक एवं अन्य सहयोगी सदस्यों का एकमात्र लक्ष्य शोध पत्रिका के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ विकल्प देना है। मेरे शोध अध्ययन और अध्यापन के समय कई बार शोधार्थी सहयोगी यह कहा करते थे कि शोध में वही सब कुछ करना पड़ता है, जो शोध निर्देशक चाहते हैं। मेरे मन की बात तो मन में ही रह गयी। शायद मैं अपने मन की बात कभी कह सकूँगा? ऐसे सभी शोधार्थियों का वाक् सुधा में हार्दिक स्वागत है। इस पत्रिका के माध्यम से आप तर्क एवं प्रमाण सहित मन की बात भी कह सकते हैं।

वैश्वीकरण के दौर में भी वाक् सुधा लोकहितकारी, नए शोध संस्कारों को विकसित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। आमतौर पर बड़ी पूंजी का दवाब विज्ञापन तथा पैसों का लालच शोध पत्रिका को पथ भ्रष्ट कर देता है, लेकिन वाक् सुधा भय, लोभ एवं दवाब से मुक्त होकर अनुसंधानात्मक ज्ञान को राष्ट्र निर्माण के लिए लगाना चाहती है। देश आज रचनात्मक परिवर्तन के मुहाने पर खड़ा है। कई पुरानी परम्पराएं अप्रासंगिक हो रही हैं। अप्रासंगिकता के दौर में इस पत्रिका के प्रकाशन का उद्देश्य समाज के समक्ष भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता, भूगोल, इतिहास, राजनीति-शास्त्र, समाज-शास्त्र, हिन्दी, संस्कृत, पाली, प्राकृत, उर्दू, अर्थशास्त्र एवं वाणिज्य विषयों के शोध लेख प्रस्तुत करना है तथा वे शोध लेख गवेषणात्मक होने चाहिए। लेख प्राचीन परम्पराओं से हटकर आत्म- अभिव्यक्तिपूर्ण होने चाहिये।

यद्यपि उपर्युक्त सभी विषय छात्रों को प्रारम्भ से लेकर अन्तिम कक्षाओं तक अध्यापित हैं, जिनसे उन विषयों का ज्ञान होना स्वाभाविक है अत: उन विषयों को यथा तथ्य प्रस्तुत करना शोध लेख का उद्देश्य नहीं है। लेख में लेखक की अपनी सोच होनी चाहिये तथा वह सोच संशोधनपरक होनी चाहिये। उसमें परोपकार की भावना का पुट परमावश्यक है, क्योंकि लेखक का मूल उद्देश्य परोपकार ही होता है। महर्षि वेदव्यास ने यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत्क्वचित् (अर्थात् जो इसमें है वह अन्य ग्रन्थों में है तथा जो इसमें नहीं; वह कहीं नहीं है) की घोषणा करने वाले विशालकाय ग्रन्थ महाभारत की रचना की तथा अठारह पुराण लिखे और यह सब लिखने के बाद अपने प्रयोजन को स्पष्ट करते हुए कहा कि

अष्टादशपुराणेषु व्यासस्य वचनद्वयम्।
परोपकार: पुण्याय पापाय परपीडनम्।

परोपकार दूसरों की भलाई करना है, यही मेरे इन ग्रन्थों के लिखने का प्रयोजन है। अत: इस शोध-पत्र के लेख परोपकारपरक होने चाहिये, जिनमें स्पष्टत: दूसरों का हित झलकता है। लेख ऐसा नहीं होना चाहिये, जिसको पढ़कर दूसरों को दु:ख की अनुभूति हो, अथवा जिसका भाव समाज में परपीड़न पैदा करे। जब इस पत्रिका में लेखक का यह प्रयोजन होगा, तभी पत्रिका अपने मूल प्रयोजन परोपकार को प्राप्त कर सकेगी। यह विदित हो कि अनुसन्धान पत्रिका में लिखित लेख का उच्चशिक्षा में अपना एक अलग महत्त्व है। इसमें प्रकाशित लेख लेखक की योग्यता में वृद्धि करते हैं। प्राय: लेखों में आत्माभिव्यक्ति के अभाव में पिष्टपेषण प्रवृत्ति ही अधिकतर परिलक्षित होती है। यह सब लेखक की अपनी आत्मा तथा विशेषज्ञ के प्रखर परीक्षण पर निर्भर है।

इस प्रकार पत्रिका 'वाक् सुधा' अपनी अमृतवाणी सर्वत्र प्रसृत करती हुई समाज में कुप्रथाओं, कुरीतियों को मिटाने वाले शोधपरक लेखों द्वारा परोपकारपरक समाज की स्थापना करे, यही इसका मूल उद्देश्य है।

– डॉ. रूपेश कुमार चौहान

ISSN : 2347-6605